प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 3 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 मई, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री के आदेश पर प्रदेशभर में हुआ आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की घोषणा की पालना में शनिवार को अंबेडकर जयंती पर प्रदेश के 189 स्थानीय निकायों में अंबेडकर भवनों के निर्माण के शिलान्यास किए गए। खुद सीएम के अलावा अलग-अलग स्थानों पर सांसद, जिला प्रभारी मंत्री, विधायक, महापौर-अध्यक्ष निकाय एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम हुए।

स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक पवन अरोड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा वर्ष 2018-19 के बजट में अंबेडकर भवनों की घोषणा की थी। आवश्यक सुविधाओं से युक्त अम्बेडकर भवन निर्माण के लिए कुल 102 करोड़ रुपए का प्रावधान

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के सहयोग से कण्डेरा मीडिया मूवी थियेटर संस्थान की एक अनूठी पहल

राजस्थान में पहली बार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन पर आधारित नाट्य प्रोग्राम रविंद्र मंच पर प्रस्तुत

जयपुर। प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के सहयोग से कण्डेरा मीडिया मूवी थियेटर संस्थान के द्वारा रवींद्र मंच के मुख्य सभागार में 22 अप्रैल, 2018 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन परिचय पर आधारित नाटक 'जय भीम' का मंचन हुआ। प्रेमचन्द कण्डेरा लिखित व निर्देशित नाटक में बताया गया कि किस प्रकार आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए शिक्षा ग्रहण की। नाटक की कहानी डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित रही। जिसमें उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक के जीवन को दर्शाया गया। नाटक के कथानक में बताया गया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर

ने अपनी पढ़ाई तिरस्कार को झेलते हुए को झेलते हुए बड़ौदा में और कॉलेजों में पूरी की। शादी हो जाने के बाद उनकी जिंदगी आर्थिक परेशानियों से गुजरने लगी। उन्होंने अपनी और घर की परवाह न करते हुए अमेरिका और लंदन जैसे यूनिवर्सिटी से अपनी डिग्रियां प्राप्त की और उन्होंने आर्थिक परेशानियों नौकरियां

श्री प्रेमचन्द कण्डेरा का समारोह के अतिथि श्री अनिल गोठवाल, श्री प्रशांत बैरवा, श्री महेश धावनिया, श्री बी.एल. बैरवा, अब्दुल लतीफ आरको द्वारा मोमेन्टो देकर सम्मानित करते।

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का तृतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं गायन प्रतियोगिता सम्पन्न

गायन प्रतियोगिता के प्रथम विजेता रितेश कुण्डारा अजमेर को एवं उपविजेता रमेशचंद बैरवा को अतिथियों द्वारा मोमेन्टो व 5000 रु. का चैक भेंट करते हुए।

जयपुर। प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का तृतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन सुश्रुत सभागार एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के सामने जयपुर पर दिनांक 29 अप्रैल, 2018 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं द्वारा गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश स्तर पर बीस कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। संस्था के अध्यक्ष महेश धावनिया ने बताया कि सम्मेलन में 215 युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन करवाया। इस अवसर पर समारोह में प्रतियोगिता के जज श्री इन्द्रराज सिंह जी कमाण्डेंट, श्री दौलत राम माल्या, अध्यक्ष-समर्पण संस्था एवं कण्डेरा मीडिया मूवी थिएटर के निर्देशक श्री प्रेमचन्द कण्डेरा द्वारा निर्णय के अनुसार अजमेर के सिंगर श्री रितेश वर्मा को प्रतियोगिता में प्रथम विजेता घोषित होने पर संस्था द्वारा 5,000/- रुपए का नगद पुरस्कार एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही परिचय सम्मेलन में पूरे प्रदेश से युवक-युवतियों ने भाग लिया।

गायन प्रतियोगिता में उपस्थित जनसमूह

समारोह में श्री एस.के. बैरवा कार्यकारी अध्यक्ष प्रगतिशील बैरवा महासभा, श्री देवाराम सिसोदिया, श्री सी.एल. वर्मा आई.आर.ए.एस., श्री विनोद बैरवा, श्री प्रभुलाल बैरवा प्रदेशाध्यक्ष, प्रगतिशील बैरवा महासभा, ओमप्रकाश गोठवाल, सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक, श्री बाबूलाल महुवा, वरिष्ठ पदाधिकारी, बैरवा महासभा, श्री मोती जी ठेकेदार, श्री रामकिशोर बैरवा, पं. भवानीशंकर गोठवाल,

शेष पृष्ठ 3 पर

बैरवा सेवानिवृत

जयपुर। पं. गोपाल लाल बैरवा सहायक लेखाधिकारी प्रथम के पद से 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त राज्य सेवा से सेवानिर्वत हुऐ। इस अवसर पर विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही गाँधीनगर क्लब, जयपुर में श्री गोपाल लाल बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

147 जोड़े बने हमसफर, सर्वधर्म का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

चाकसू। चाकसू के शीतला में पीपल पूर्णिमा के अवसर पर न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्था राजस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजस्थान के विभिन्न स्थानों

शेष पृष्ठ 3 पर

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

जन-जन के प्रिय जननायक
राजस्थान के गाँधी राष्ट्रीय
कांग्रेस संगठन महासचिव
पूर्व मुख्यमंत्री
श्री अशोक गहलोत जी
के 68वें जन्मदिवस पर
बहुत-बहुत बधाई एवं
उज्जवल भविष्य की
शुभकामनाएं

सम्पादकीय

अंतिम गांव तक रोशनी

सुखद है कि आजादी के 70 साल बाद ही सही, भारत का हर गांव अब बिजली से रोशन है। सरकार का दावा है कि मणिपुर के सेनापुत जिले के लीसांग गांव में बिजली का बल्ब जल जाने के साथ ही भारत के आखिरी गांव तक बिजली पहुंचाने का पहला लक्ष्य पूरा हो गया है। लीसांग शनिवार को नेशनल पावर ग्रिड से जोड़ दिया गया। ध्यान देना होगा कि सरकार ने अंतिम गांव में बिजली पहुंचाने का दावा किया है। अंतिम घर तक बिजली पहुंचने के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। वैसे भी गांव में बिजली पहुंचने का मतलब, गांव तक बिजली पहुंचना है, क्योंकि प्रचलित परिभाषा के अनुसार किसी गांव के दस फीसदी घरों के साथ स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र सहित सभी सार्वजनिक महत्व के स्थानों पर बिजली पहुंच जाने के बाद ही गांव को पूर्ण विद्युतीकृत माना जाता है। हालांकि इस शर्त पर 'लंबे समय से पूर्ण विद्युतीकृत' हमारे मौजूदा गांव भी कितने खरे उतरते हैं, यह आज भी पड़ताल का विषय है। सच तो यही है कि बहुत बड़ी आबादी अपने गांव तक बिजली पहुंच जाने के बावजूद आज भी अपने लिए बिजली का इंतजार ही कर रही है। ठीक उसी तरह, जैसे सर्वशिक्षा जैसे तमाम अभियानों, मिड डे मील जैसी लुभावनी योजनाओं के बावजूद अभी तक हम बहुत बड़ी आबादी को साक्षर तक नहीं बना सके हैं। बिजली वाले और गैर-बिजली वाले गांवों में खेती-किसानी यानी उत्पादकता की स्थिति से लेकर पढ़ाई-लिखाई और जीवन स्तर, खासकर महिलाओं और बच्चों के मामले में यह असर आंकड़ों में देखा जा सकता है। खैर, यह उपलब्धि की घड़ी है। इसका जश्न मनाया जाना चाहिए। लेकिन असली जश्न तो तभी मनेगा, जब देश के अंतिम घर, यानी अंतिम परिवार तक बिजली की रोशनी सही मायने में न सिर्फ पहुंचेगी, वरन उसकी जरूरत के मुताबिक उसे मिलेगी। बड़ा सच यही है कि गांवों को बिजली जरूरत के मुताबिक कम ही मिल पाती है। यह भी देखना होगा कि उस बहुत बड़ी आबादी तक बिजली कैसे पहुंचेगी, जिसके पास अपना घर ही नहीं है? उस तंत्र को भी पटरी पर लाना होगा, जो आंकड़ों में तो सब कुछ दुरुस्त दिखाता है, पर हकीकत के आंकड़े छिपा लेता है। आंकड़ेबाजों की इस बाजीगरी पर लगाम लगाना होगा, वरना कोई भी बल्ब इस अंधेरी गली को रोशन न कर पाएगा और विकास के सारे वादे-इरादे हवा में उड़ जाएंगे। हमें कई और सच भी सतर्क नजर से देखने होंगे। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित उत्तर-पूर्व के तमाम राज्यों के उन सुदूरवर्ती गांवों के सच से नजर नहीं चुराना होगा, जहां तमाम दावों के बावजूद आज भी बिजली के नियमित दर्शन नहीं हुए हैं। संभव है, इनमें से न जाने कितने गांव विद्युतीकरण की सूची में कब के दर्ज हो चुके हों। ऐसे गांव भी हैं, जहां बिजली के खंभे तो कब के लग गए, लेकिन तार नहीं लगे, और अगर तार लग गए, तो बिजली उन तारों में नहीं दौड़ी।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

संविधान निर्माता के साथ राष्ट्र निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर

अमेरिका में 3 साल में 40 कोर्स, डबल डॉक्टरेट करने वाले दक्षिण एशिया के पहले व्यक्ति डॉ. अम्बेडकर

डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रांत (अब मध्यप्रदेश के महू) में हुआ। उनके पिता सेना में सुबेदार रामजी सकपाल और मां भीमाबाई सकपाल थे। 1897 में परिवार मुंबई चला गया और आंबेडकर ने एलफिंस्टन हाई स्कूल में प्रवेश लिया। मैट्रिक्यूलेशन के बाद उन्होंने 1907 में एलफिंस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। 1912 में बॉम्बे यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स और पॉलिटिकल साइंस में डिग्री ली। फिर 1913 में उन्हें तीन साल के लिए 11.50 पाउंड स्टर्लिंग प्रति माह की बड़ोदा स्टेट स्कॉलरशिप मिली थी, जिसकी मदद से वे न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अध्ययन करने गए।

जून 1915 में उन्होंने मुख्य विषय अर्थशास्त्र के साथ समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शन और एंथ्रोपोलॉजी (मानव उत्पत्तिशास्त्र) के साथ एमए किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय वाणिज्य पर अपनी थिसिस लिखी।

1916 में उन्होंने एक और एमए के लिए दूसरी थिसिस नेशनल डिविडेंड ऑफ इंडिया- ए हिस्टोरिक एंड एनालिटिकल स्टडी विषय पर लिखी। आखिर में तीसरी थिसिस पर उन्हें 1927 में अर्थशास्त्र में पीएचडी डॉक्टोरल उपाधि मिली। उसके बाद डॉ. आंबेडकर लंदन चले गए।

मई 1916 में उन्होंने एंथ्रोपोलॉजिस्ट अलेक्जेंडर गोल्डनवाइजर द्वारा आयोजित सेमीनार में अपना पेपर कास्ट्स इन इंडिया = देयर मेकेनिज्म, जेनेसिस एंड डेवलपमेंट।

अक्टूबर 1916 में उन्होंने ग्रेज-इन में बार कोर्स में नामांकन कराया और इसके साथ उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में भी प्रवेश लिया, जहां वे पीएचडी पर काम करने लगे। लेकिन, स्कॉलरशिप खत्म होने के कारण उन्हें जून 1917 में भारत लौटना पड़ा। फिर उन्हें चार साल के भीतर थिसिस पूरी करने के लिए लौटने की अनुमति मिल गई। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में उन्होंने 1921 में मास्टर डिग्री ली और 1923 में डीएसएसी की उपाधि ली। उनकी तीसरी (कोलंबिया, 1952) और चौथी (उस्मानिया, 1953) डॉक्टरेट उपाधि उन्हें सम्मान स्वरूप प्रदान की गई। न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में तीन साल अध्ययन के दौरान उन्होंने अर्थशास्त्र में नौ कोर्स, इतिहास में ग्यारह, समाजशास्त्र में छह, दर्शनशास्त्र में पांच, एंथ्रोपोलॉजी में चार, राजनीति में तीन और फ्रेंच व जर्मन भाषा में एक-एक कोर्स पूरे किए। आंबेडकर न सिर्फ विदेश में इकोनॉमिक्स में पीएचडी करने वाले पहले भारतीय थे बल्कि वे इकोनॉमिक्स में डबल डॉक्टोरेट करने वाले पूरे दक्षिण एशिया में पहले व्यक्ति थे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर को हम संविधान निर्माता के रूप में जानते हैं लेकिन, उन्होंने राष्ट्र निर्माण करने वाली कई संस्थाओं और कदमों को उठाने में भी महती भूमिका निभाई। फिर चाहे वह महिला का सामाजिक दर्जा उठाने की बात हो, काम के घंटे बारह से घटाकर आठ करने की पहल हो अथवा भारतीय रिजर्व बैंक की परिकल्पना और बिजली वितरण के लिए ग्रिड पद्धति अपनाने का सुझाव हो, आंबेडकर ने राष्ट्र निर्माण के हर पहलू पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने संविधान तैयार करने की बहुत कठिन चुनौती में असाधारण परिपक्वता, बुद्धिमानी और उदारता दिखाई, जिससे अंततः हम लोकतंत्र बने।

महिलाओं के हक की लड़ाई में इस्तीफा दे दिया-जब महिलाओं के हक के लिए उनके द्वारा लाया गया हिंदू कोड बिल संसद में पारित नहीं हुआ तो उन्होंने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। बिल के दो उद्देश्य थे हिंदू महिलाओं को संपत्ति व अन्य अधिकार देकर उनका सामाजिक दर्जा उठाना व जातिगत असमानता दूर करना। बाबासाहेब ने कहा था, मैं किसी समाज की प्रगति को उसकी महिलाओं की प्रगति से आंकता हूं। बाद में 1955-56 में हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम आदि पास होने पर डॉ. आंबेडकर जो चाहते थे वह कुछ हद तक पूरा हुआ।

भारतीय रिजर्व बैंक की अवधारणा दी थी-डॉ. आंबेडकर ने हिल्टन कमीशन (जिसे रॉयल कमीशन ऑन इंडियन करेंसी एंड फाइनेंस भी कहा जाता था) को दी गई गाइडलाइन के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक की कल्पना की। इस धारणा को उन्होंने अर्थशास्त्र पर अपनी पुस्तक द प्रॉब्लम ऑफ द रूपी- इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन में भी रखा था।

काम के घंटे 12 से घटाकर 8 किए-1942 से 1946 के बीच वाइसराय काउंसिल में श्रमिकों संबंधी मामलों के सदस्य के रूप में डॉ. आंबेडकर कई श्रम सुधारों के माध्यम बने थे। उन्होंने नवंबर 1942 में नई दिल्ली में इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस के 7वें अधिवेशन में काम के घंटे 12 से घटाकर 8 घंटे प्रस्ताव रखा। उन्होंने महंगाई भत्ता, छुट्टियां, बीमा, मेडिकल लीव, समान काम के लिए समान वेतन, न्यूनतम वेतन और वेतनमानों की समय-समय पर समीक्षा जैसे कई कदम उठाए। श्रम संगठनों को मजबूत बनाया और देशभर में रोजगार कार्यालय खोले।

मूकनायक का प्रकाशन-1920 में उन्होंने मुंबई में साप्ताहिक मूकनायक का प्रकाशन शुरू किया। फिर दलितों को शिक्षित करने के पहले संगठित प्रयास में बहिष्कृत हितकारिणी सभा का गठन किया। दलित अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने मूक नायक के अलावा बहिष्कृत भारत और इक्वलिटी जनता का प्रकाशन भी शुरू किया।

कश्मीर को विशेष दर्जा देने से साफ इनकार किया-आंबेडकर ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का मसौदा लिखने से साफ मना कर दिया था। उन्होंने शेख अब्दुल्ला से साफ कहा, आप चाहते हैं भारत आपकी सीमाओं की रक्षा करे, आपके क्षेत्र में सड़कें बनाएं, आपको अनाज सप्लाई करे और कश्मीर को भारत में समान दर्जा मिले। लेकिन भारत के लोगों को कश्मीर में कोई अधिकार नहीं होगा। ऐसे प्रस्ताव को सहमति देना भारत के हितों के खिलाफ होगा और भारत के कानून मंत्री के रूप में मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा।

पानी व बिजली पर राष्ट्रीय नीति के पैरोकार-केंद्र और राज्यों में सिंचाई परियोजनाओं के विकास के लिए उन्होंने केंद्रीय जल आयोग की स्थापना की। इसी तरह विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए सेंट्रल टेक्नीकल पावर बोर्ड और सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने बिजली वितरण के ग्रिड सिस्टम (जिस पर देश आज भी निर्भर है) और इंजीनियरिंग की शिक्षा पर जोर दिया।

बिहार व मध्य प्रदेश के विभाजन का सुझाव-अपनी पुस्तक थॉट्स ऑन लिंग्विस्टिक स्टेट्स में आंबेडकर ने मध्य प्रदेश और बिहार को विभाजित करने का सुझाव दिया था। उस किताब के प्रकाशन के 45 वर्षों बाद उनके सुझाव के मुताबिक दोनों राज्यों का विभाजन कर झारखंड और छत्तीसगढ़ का गठन हुआ। उन्होंने भाषा के आधार पर राज्य बनाने के बारे में चार बातें ध्यान में रखने को कहा था एक, कुशल प्रशासन की जरूरतें ध्यान में रखें। दो, विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताएं। तीन, विभिन्न इलाकों के लोगों की भावनाएं और चार, बहुसंख्यक और अल्पसंख्यकों की आबादी का अनुपात।

वह गेंदे का हार-1942 में नागपुर की यात्रा में जर्जर साड़ियां पहनीं महिलाओं के एक समूह ने उन्हें रोका और गेंदे के हार से उनका स्वागत किया। यह तोहफा देने के लिए उन्होंने जलाऊ लकड़ी और घास का अतिरिक्त बंडल बेचा था। इससे अत्यंत भावुक हो उठे आंबेडकर ने वादा किया कि वे उनका जीवनस्तर ऊंचा उठाने का पूरा प्रयास करेंगे।

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915
* जयपुर निवासी , 26 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-बैंक सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, गुणावत, टाटु, मो. 9829586328
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम एससी, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-निजी कार्य, गौत्र-नागरवाल, चरावण्डिया, जीनवाल, गोमलाडू, मो. 9549781463
* जयपुर निवासी, 35 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जीनवाल, सुलानिया, मीमरोठ, मो. 9929369818

वधू चाहिए

* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044
* बीकानेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी. फार्मेसी, वर्तमान में एम.आर. का कार्य, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रेवाड़िया, मेहर, माली, मो.-9602211924
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, वर्तमान में वकील के पास मुंशी का कार्य, पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, लालावत, सरकंडी, सामने बैण्डवाल न हो

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था की ओर से बैरवा समाज का तृतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं गायन...

शेष पृष्ठ 1 का

श्री देवाराम सिसोदिया का स्वागत करते राजेश कुमार शास्त्री एवं एस.के. बैरवा का स्वागत करते कविराज रामलाल बैरवा

पं. गोपाल लाल बैरवा, पं. लक्ष्मीचंद गोठवाल, श्री राकेश जोनवाल, श्री सीताराम सुलानिया, श्री ताराचंद गोठवाल, श्री पूरणमल बैरवा, श्री सूरजनारायण बैरवा, श्री नानगराम बैरवा, श्री माधव बैरवा चित्तौड़, श्री तेजपाल बैरवा, श्री धनकरण बैरवा, श्री रामगोपाल बैरवा, श्री नवरत्न कूलवाल, पं. प्रभुदयाल बैरवा, श्री छोटेलाल बैरवा देवरी इत्यादि ने समारोह में पधारकर संस्था में सहयोग प्रदान किया।

संस्था के महामंत्री राजेश कुमार शास्त्री एडवोकेट ने बताया कि इस अवसर पर प्रतियोगिता में रितेश कुण्डारा अजमेर, रमेशचंद बैरवा जयपुर, लक्ष्य आर्य जयपुर, सी.एल. वर्मा, जयपुर, रविन जारवाल, जयपुर, हर्ष जौनवाल कोटा, शंकरलाल बैरवा, जयपुर, अमित रेसवाल, जयपुर, विवेक बैरवा सवाईमाधोपुर, माधव बैरवा, चित्तौड़ सहित अन्य कलाकारों द्वारा गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग डांस कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। साथ ही कण्डेरा मीडिया मूवी थियेटर संस्थान के कलाकारों द्वारा भीम वंदना पर डांस प्रोग्राम प्रस्तुत किया गया। संस्था के पदाधिकारी कविराज रामलाल बैरवा सांगानेर तहसील अध्यक्ष एवं टोंक प्रभारी, प्रहलाद बैरवा, राजेन्द्र बैरवा, अनिल बैरवा, हर्ष बैरवा, सीताराम बैरवा, मदनलाल बैरवा, पी.सी. प्रेमी, रामअवतार बैरवा, राकेश धवन, राजकुमार कुवाल इत्यादि ने आये हुए अतिथियों को माला पहनाकर एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। अंत में आये हुए सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का कार्यक्रम सफल बनाने पर संस्था अध्यक्ष महेश धावनिया ने आभार प्रकट किया।

राजस्थान में पहली बार बाबा...

शेष पृष्ठ 1 का

की और अपने मूल, अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने संघर्ष के दिनों में ही दीक्षा ली और 1956 को उनका देहांत हो गया। नाटक में शालिनी कण्डेरा, अनामिका कण्डेरा, हेमंत वर्मा, विकास मीणा, सत्यम कुमार, विनय बिंदल, चेतन महावर, प्रतिक्षा चौहान, सिमरन चौधरी, आकांक्षा चौहान, रणवीर सिंह, हर्षवर्धन सिंह, रोहित शर्मा, विकास यादव, बबलू शर्मा आदि ने अभिनय किया।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के महासचिव श्री अनिल गोठवाल सेवानिवृत्त आई.आर.एस. श्री अभिजीत कुमार, पीसीसी सचिव श्री प्रशान्त बैरवा, प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के प्रदेशाध्यक्ष श्री महेश धावनिया, एससी एसटी रेलवे एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.एल. बैरवा Add. CE श्री महेन्द्र कुमार बैरवा, दलित मुस्लिम एकता मंच के अध्यक्ष जनाब अब्दुल लतीफ आरको, समर्पण संस्था के अध्यक्ष दौलतराम माल्या इत्यादि ने शिरकत की, अंत में कण्डेरा मीडिया मूवी थियेटर संस्था के निदेशक द्वारा सभी अतिथियों को मोमेन्टो एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

147 जोड़े बने हमसफर...

शेष पृष्ठ 1 का

से आए 147 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष रामदयाल बड़ोदिया ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत पूजन व निकासी के साथ की गई।

इस मौके पर मुख्य अतिथि जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, विशिष्ट अतिथि चाकसू विधायक लक्ष्मीनारायण बैरवा, प्रशासनिक अधिकारी प्रेमचंद बैरवा, पूर्व विधायक प्रकाश बैरवा, कांग्रेस नेता प्रशांत बैरवा व पूर्व आईपीएस अनिल गोठवाल ने नव युगलों को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद बोहरा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में फिजूलखर्ची पर रोक लगती है और समाज आगे बढ़ता है। बड़ोदिया ने बताया कि सम्मेलन में ब्राह्मण, मुस्लिम, राजपूत, गुर्जर, बैरवा व मीना समाज के जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्रदेश महामंत्री सीयाराम स्वामी, संयोजक राजूलाल बेनीवाल व कोषाध्यक्ष राधाकिशन नायक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व बाहर से आए लोग, जनप्रतिनिधि व अन्य लोग मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती समारोह...

शेष पृष्ठ 1 का

किया गया। प्रत्येक नगर निगम के लिए राशि 96 लाख, प्रत्येक नगर परिषद के लिए 67 लाख एवं प्रत्येक नगरपालिका के लिए 48 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं। जयपुर संभाग में कुल 44 निकायों में, कोटा संभाग में 20, भरतपुर संभाग में 18, उदयपुर में 21, बीकानेर में 30, जोधपुर में 25 तथा अजमेर संभाग में 32 नगरीय निकायों में शनिवार को शिलान्यास समारोह हुए। नापासर में न्यायिक प्रकरण दर्ज होने के कारण शिलान्यास नहीं हो सका।

जयपुर से इलेक्ट्रॉनिक बटन दबाकर सीएम ने, उदयपुर संभाग में निम्बाहेड़ा में नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने, उदयपुर में गृहमंत्री गुलाब चन्द कटारिया ने शिलान्यास किया।

नरसी बैरवा अम्बेडकर पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर। श्री नरसी कुमार बैरवा पुत्र श्री गंगाराम बैरवा जिला जयपुर का

अम्बेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार, 2018 के लिए जिला कलक्टर से अभिशंसित आवेदन पर अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर समाज कल्याण मंत्री मान्य श्री अरुण चतुर्वेदी एवं विधायक मोहनलाल गुप्ता द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

श्रद्धांजली

स्व. बृजमोहन बैरवा

गोलोकवास-14 मई, 2017 की प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत: गणपतलाल, मनोज, नंदलाल, ओमप्रकाश, कन्हैयालाल मीमरोट (रिटा. आर.ए.एस.), रामदयाल, बद्रीप्रसाद, लेखराज, धर्मराज (पुत्र), पवन, अभिषेक, प्रांजल, यथार्थ (पौत्र), बेबी (पुत्री), भवानी गोठवाल (दामाद), रमेश, आशीष, नाथूलाल, रोहित एवं समस्त मीमरोठ परिवार

पता-बी-20, बजाज नगर, जयपुर

श्रद्धांजली

स्व. श्रीमती गोरा देवी

पत्नी स्व. श्री जोधाराम जी मीमरोठ

निर्वाण-11 अप्रैल, 2018

आपकी सरलता, विनम्रता, स्नेह और सादगी सदैव हमारे जीवन का मार्ग प्रशस्त करेगी। आपके आकस्मिक निधन पर हम सभी भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत: लच्छूराम वर्मा-कमला देवी, रामलाल, कन्हैयालाल-लक्ष्मी, ओमप्रकाश वर्मा (मूर्तिकार)-कमलेश (पुत्र-पुत्रवधु), धापू देवी (पुत्री), शंकरलाल-पुष्पा, राकेश-रानी, राजू-सविता, विमल-सोनू, प्रमेन्द्र-नीलम (पौत्र-पौत्रवधु), लोकेश वर्मा (सी.ए.), अर्पित (पौत्र), शैफाली (पौत्री), निर्मला-महेन्द्र जी (पौत्री-पौत्री दामाद)

लक्ष्मी मूर्ति उद्योग, शुभलक्ष्मी मूर्ति आर्ट, शिवम लक्ष्मी मूर्ति आर्ट, श्री जैम्स आर्ट कंट्री, सांगानेर, जयपुर, मो.-9829030216, 9829216065, 9829063778

दिल्ली में रामलीला मैदान में कांग्रेस की जबर्दस्त रैली

नई दिल्ली। एक हफ्ते पहले संविधान बचाओ अभियान, अब जन आक्रोश रैली, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर हमला कर रहे हैं। रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कर्नाटक दौरे के दौरान अपने विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी का जिक्र किया। राहुल अपना भाषण खत्म कर बैठ गए थे। पर कुछ देर बाद वह दोबारा उठे और माइक संभाला। यह देख हर कोई हैरान था। राहुल ने कहा कि आप कांग्रेस के कार्यकर्ता हो, मैं आपको रिपोर्ट करता हूं तो मैं आपको बताना चाहता हूं। 2-3 दिन पहले हम कर्नाटक जा रहे थे, हम हवाई जहाज में थे, अचानक जहाज 8 हजार फीट नीचे आ गया।

मैंने सोचा, गाड़ी गई, तभी मेरे दिमाग में आया कि मैं कैलाश मानसरोवर की यात्रा करूंगा। मैं कर्नाटक चुनाव के बाद 10-15 दिनों के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाऊंगा। रैली में सोनिया गांधी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह भी मौजूद रहे।

देश की जनता प्रधानमंत्री के भाषणों में सच ढूंढती रहती है

राहुल ने कहा कि मोदीजी कहते हैं कि वो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। कर्नाटक में जब वो बोल रहे थे, तो उनके बगल में येद्दियुरप्पा खड़े थे। येद्दियुरप्पा भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके हैं। मोदी के न खाऊंगा और न खाने दूंगा के वादे का क्या हुआ। देश प्रधानमंत्री के भाषणों को सुनता है और देश सच्चाई को ढूंढने की कोशिश करता है। सुप्रीम कोर्ट के जज पहली बार जनता के सामने आते हैं। आमतौर पर जनता सुप्रीम कोर्ट जाती है। वो जज कहते हैं हिंदुस्तान की जनता हम आपसे न्याय मांगते हैं। मोदी जी ने 60 महीनों में क्या किया, मैं बताता हूं। मोदी जी ने बेरोजगारी दी, उनके विधायकों ने महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की, गब्बर सिंह टैक्स दिया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति की ओर से बुध पूर्णिमा पर सम्मान समारोह सम्पन्न

नई दिल्ली। दिनांक 30/04/2018 बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मिलिन्द बुद्ध विहार, डॉ.अम्बेडकर नगर , नई दिल्ली में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । इसमें 22अप्रैल 2018 को विश्व रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया था। इसके सहयोगियों का सम्मान समारोह आज समस्त गणमान्य लोगो के लिए रखा गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक श्री अजय दत्त जी, निगम पार्षद श्री प्रेम चौहान , पूर्व प्रत्याशी श्री ओमप्रकाश चौधरी, भामाशाह श्री ललित बैरवा, रायपुरा, सुगन राणीला वाले ,धर्मपाल धवन, रामस्वरूप गोठवाल, अम्बा लाल ठेकेदार, राजेश चौहान एवम् समिति के अध्यक्ष श्री मदन लाल राज, महासचिव श्री सेवा दास जयंत, कोषाध्यक्ष श्री बौद्धाचार्य मलखानसिंह , उपाध्यक्ष प्रहलाद कुमार मालवीय, बनवारीलाल अकोदिया, मिश्री लाल बैरवा, उम्मेदसिंह, राजेंद्र सागर, धर्मपाल गोठवाल एवम् समस्त पदाधिकारी गण मौजूद थे। सभी दानदाताओं एवम् सहयोगियों का राजस्थानी पगड़ी, पंचशील का पटका, बैज एवम् बाबा साहेब की सुन्दर शील्ड से सम्मानित किया । इस मौके पर हजारों उपासक एवम् उपासिकाओं ने खीर,पूरी और सब्जी का आनंद लिया । इस कार्य में मिलिंद बूद्ध विहार प्रबन्धक सोसाईटी का विशेष सहयोग रहा ।इस सफल आयोजन के लिए विश्व रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति सभी का दिल की गहराईयों से हार्दिक अभिनंदन करती है।

बैरवा समाज के 30 जोड़े बने हमसफर

टोंक। सोहेला के मिर्च मण्डी प्रांगण में जिला बैरवा समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति टोंक के तत्वावधान में 22वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। महामंत्री जगदीश लाल बैरवा ने बताया कि सम्मेलन में 30 जोड़े परिणय सूत्र बंधन में बंधे। समारोह में संसदीय सचिव जितेन्द्र गोठवाल, विधायक हीरालाल रैगर, विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व विधायक कमल बैरवा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव प्रशान्त बैरवा, टोंक पंचायत समिति प्रधान जगदीश गुर्जर, नगर परिषद टोंक सभापति लक्ष्मी जैन, संयुक्त शासन सचिव मुख्यमंत्री सलाहकार भंवरलाल बैरवा, संरक्षक विमला आजाद, संयुक्त निदेशक लक्ष्मीनारायण बैरवा, जिलाध्यक्ष प्रहलाद बैरवा, मनिन्द्र लोदी, सरपंच रामदास बैरवा ने वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। सम्मेलन में भामाशाह बलवन्त सिंह बैरवा, प्रहलाद मेहरा, शीला बंशीवाल, हरदयाल बैरवा, कन्हैयालाल बैरवा, लक्ष्मीनारायण बैरवा, रामचंद्र बैरवा, मायादेवी, प्रभूलाल, संजीव निरंकारी जगदीश प्रसाद बैरवा, प्रदीश वर्मा आदि 50 भामाशाहों का सम्मान किया गया। पाणिग्रहण संस्कार पण्डित सुखलाल आर्य ने सम्पन्न करवाया। इस मौके पर सम्मेलन समिति के पी.डी. आजाद, हनुमान प्रसाद, रामकिशोर बैरवा मोडियाला, रामकिशोर गोपालपुरा, रामसहाय, सुखलाल, मिट्ठूदास, रामरतन महाराज, बनवारीलाल बैरवा, बंशीलाल सोहेला, शिवप्रसाद, देवकरण, मदनलाल, शिवराज, हरिभाई हरि, बाबूलाल सोंधीफल, रमेशचंद आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रजि. नं. 589/2016-17

प्रगति सामाजिक सेवा संस्थान
राजस्थान प्रदेश

कार्यालय- 67/6 ई. प्रथम तल, धनवन्तरी हॉस्पिटल के पास, न्यु सांगानेर रोड़, हीरा पथ, मानसरोवर , जयपुर -302020
शाखा कार्यालय- दुकान नं. 5 बेसमेन्ट, गुरुकृपा टावर, नगर निगम रोड, सांगानेर, जयपुर- 302029
सम्पर्क सूत्र कार्यालय- 0141- 2786388 मो.- 8094577888, 8094877888

छठवाँ सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन

सम्मानीय/आदरणीय प्रदेश वासियों,
आपको अत्यन्त हर्ष के साथ सुचित किया जाता है। कि प्रगति सामाजिक सेवा संस्थान जो कि सम्पुर्ण राजस्थान में सामाजिक कार्य करने के लिए पंजीकृत संस्था है। संस्थान द्वारा समय-समय पर सामाजिक हित में अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जो कि आमजन के हित में रहेंगे। प्रथम एवं द्वितीय एवं तृतीय और चतुर्थ और पाँचवें सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन की अपार सफलता के बाद इसी क्रम में आगे बढते हुए संस्थान द्वारा पांचवा सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जाति एवं समाज और सभी धर्मो के वेवाहिक जौडो का विवाह सम्पन्न कराया जायेगा। जिसे आप सभी के सहयोग से सफल बनाया जायेगा। आशा है कि आप सभी सामाजिक रूप से आमजन के हित में पूर्ण सहयोग करेगें।

विवाह सम्मेलन दिनांक
निर्जला एकादशी (ग्यारस)
शनिवार 23 जून 2018

-:विशेष उपहार :-
50 वर्ग गज भूखण्ड(प्लॉट)
मेन टोंक रोड़, एन.एच. 12

विवाह सम्मेलन स्थल
जयपुर

वर पक्ष 21000/- सहयोग राशि
1 लाख की एफ.डी.
5 लाख का बीमा
वधु पक्ष 11000/- सहयोग राशि

वर वधु के लिए सम्पूर्ण उपहार सूची

★ 50 वर्ग गज भुखण्ड ★ 1 लाख रू. की एफ.डी.(वधु को) ★ 5 लाख रूपये का दुर्घटना बीमा ★ सोने का मंगलसुत्र
★ सोने की नाक की बाली ★ सोने की कान की बाली ★ चाँदी की पायजेब जोडी
★ चाँदी की चिटकी ★ चाँदी की अंगुठियाँ (वर-वधु) ★ पंलग ★ गद्दा ★ 2 तकिया
★ कम्बल सेट ★ कुलर ★ LED टी.वी. ★ हाथ घड़ी जोडे को ★ सेन्टर टेबल ★ 2 कुर्सीयाँ
★ तोरण-थाम ★ वर - माला ★ शादी का जोड़ा (वर-वधु) ★ 11 बर्तन
★ 15000 /- प्रोत्साहन राशि (राज्य सरकार द्वारा वाछिंत दस्तावेज पुर्ण होने पर)

संस्थान में दान कि गई दान राशि 80 G के अर्न्तगत कर मुक्त

ऑनलाईन पेमेन्ट एवं सहयोग राशि जमा करवाने हेतु
www.pragatisewasansthan.com
खाता धारक - प्रगति सामाजिक सेवा संस्थान
खाता संख्या- 35200200000362
बैंक- बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा-प्रताप नगर सांगानेर
IFSC कोड- BARB0PRAJAI (5वीं संख्या Zero है)
MICR कोड- 302012034, खाते का प्रकार- चालु खाता

आयोजन कर्त्ता
श्री हेतराम लालावत
प्रदेशाध्यक्ष - प्रगति सामाजिक सेवा संस्थान
चैयरमैन - उन्नति ग्रुप ऑफ कम्पनीज

अधिक जानकारी एवं जोडो के पंजीकरण हेतु सम्पर्क करें:-
8094577888, 8094877888, 7357127888,7023333605, 7023333607

नोट:- विवाह योग्य वैवाहिक जोड़ो के पंजीकरण की अंतिम दिनांक 31 मई 2018 है

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत किया जागरूक

जयपुर। श्री नारायण मानव सेवा समिति द्वारा 29वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में सोमवार को टोंक रोड के विभिन्न चौराहों पर बिना हेलमेट के वाहन चालकों व चौपहिया वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए, फूलमाला पहनाकर अन्य लोगों को जागरूक करने की अपील की। समिति अध्यक्ष चंद्रमोहन बैरवा ने बताया कि इस मौके पर सांगानेर सदर थाना इंचार्ज सवाई सिंह, ट्रेफिक वार्डन सांगानेर अशोक राठौड़, अमित सैनी, कुलदीप जीनवाल समेत कई स्वयं सेवक मौजूद रहे।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com